रीजॉइस लर्निंग सेंटर
लेखक: मिरियम लिवेल, रीजॉइस कॉर्पस क्रिस्टी, यूएसए

अनुवादक: प्रदीप मसीह, उत्तर भारत

www.rejoicecc.org

पाठ 1: यीशु कौन हैं?

आज के पाठ में, हम सीखेंगे:

1. यीशु ने अपने बारे में क्या कहा?
2. पुराने नियम के भविष्यवक्ताओं ने यीशु को क्या कहा?
3. जिन्होंने यीशु से मुलाकात की, उन्होंने उनके बारे में क्या कहा?
4. दुष्टात्माओं और स्वर्गदूतों ने उन्हें क्या कहा?
5. नए नियम के लेखकों ने उनके बारे में क्या कहा?
6. शैतान और धार्मिक नेताओं ने यीशु की पहचान पर कैसे प्रश्न उठाए?
7. परमेश्वर का पुत्र यीशु क्यों प्रकट हुआ?
8. क्या यीशु परमेश्वर हैं?

पाठ 1 के लक्ष्य:
यीशु को एकमात्र उद्धारकर्ता, परमेश्वर का पुत्र और स्वयं परमेश्वर के रूप में जानना।

---

1. यीशु ने अपने बारे में क्या कहा?

उन्होंने कहा कि वह स्वर्ग से आए हैं (यूहन्ना **3:13**)।

"कोई भी स्वर्ग में नहीं गया, सिवाय उसके जो स्वर्ग से आया—मनुष्य का पुत्र।"

उन्होंने कहा कि वह स्वर्ग से भेजे गए हैं (यूहन्ना **6:38**)।
"क्योंकि मैं स्वर्ग से उतरा हूँ, अपनी इच्छा पूरी करने के लिए नहीं, बल्कि उसकी इच्छा को पूरा करने के लिए जिसने मुझे भेजा है।"

उन्होंने कहा कि उन्हें देखना ही परमेश्वर को देखना है (यूहन्ना **12:45**)।
"जो मुझे देखता है, वह उसे देखता है जिसने मुझे भेजा है।"

उन्होंने कहा कि उन्हें ग्रहण करना ही परमेश्वर को ग्रहण करना है (मरकुस **9:37**)।
"जो कोई इन छोटे बच्चों में से एक को मेरे नाम से ग्रहण करता है, वह मुझे ग्रहण करता है; और जो मुझे ग्रहण करता है, वह मुझे नहीं बल्कि उसे ग्रहण करता है जिसने मुझे भेजा है।"

उन्होंने कहा, **"**मैं और पिता एक हैं**"** (यूहन्ना **10:30**)।

उन्होंने स्वयं को परमेश्वर के समान बताया (यूहन्ना **5:18**)।
"इसी कारण वे उसे मारने का और भी अधिक प्रयत्न करने लगे; क्योंकि वह न केवल सब्त का उल्लंघन कर रहा था, बल्कि परमेश्वर को अपना पिता कहकर स्वयं को परमेश्वर के बराबर बना रहा था।"

उन्होंने कहा कि संसार की सृष्टि से पहले उनकी महिमा थी (यूहन्ना **17:5**)।
"और अब, हे पिता, मुझे अपनी उपस्थिति में उसी महिमा के साथ महिमान्वित कर, जो मेरे पास तेरे साथ तब थी जब संसार की उत्पत्ति नहीं हुई थी।"

उन्होंने कहा कि यदि कोई उन्हें जानता है**,** तो वह परमेश्वर को भी जानता है (यूहन्ना **8:19**)।
तब उन्होंने उससे पूछा, "तेरा पिता कहाँ है?" यीशु ने उत्तर दिया, "तुम न मुझे जानते हो और न मेरे पिता को। यदि तुम मुझे जानते होते तो मेरे पिता को भी जानते।"

उन्होंने कहा कि जिसने उन्हें देखा**,** उसने पिता को देखा (यूहन्ना **14:9**)।
"यीशु ने उससे कहा, 'क्या मैं इतने समय से तुम्हारे साथ हूँ और फिर भी, हे फिलिप्पुस, तुमने मुझे नहीं पहचाना? जिसने मुझे देखा है, उसने पिता को देखा है। तुम कैसे कह सकते हो, 'हमें पिता को दिखा'?"

उन्होंने कहा कि वह पूर्णतः निष्पाप हैं (यूहन्ना **8:46**)।
"तुम में से कौन मुझे किसी पाप का दोषी ठहरा सकता है? यदि मैं सत्य कहता हूँ, तो तुम मुझ पर विश्वास क्यों नहीं करते?"

उन्होंने परमेश्वर के पुत्र होने से इनकार नहीं किया (यूहन्ना **19:7**)।
यहूदी नेताओं ने जोर देकर कहा, "हमारे पास एक विधि है, और उस विधि के अनुसार उसे मरना चाहिए, क्योंकि उसने स्वयं को परमेश्वर का पुत्र कहा।" (यीशु ने चुप रहकर इस दावे का खंडन नहीं किया, यहाँ तक कि धमकियों के बावजूद भी।)

उन्होंने कहा कि उन्हें पाप क्षमा करने का अधिकार है (मरकुस **2:5, 10**)।

"यीशु ने उनका विश्वास देखकर उस लकवे के रोगी से कहा, 'पुत्र, तेरे पाप क्षमा किए गए।'" **(**मरकुस **2:5)**
"परन्तु मैं चाहता हूँ कि तुम जानो कि मनुष्य के पुत्र को पृथ्वी पर पाप क्षमा करने का अधिकार है।" **(**मरकुस **2:10)**

उन्होंने यह सिद्ध किया कि उन्हें बीमारों को चंगा करने का अधिकार है **(**मरकुस **2:11-12)**।
(यीशु ने लकवे के रोगी से कहा), "मैं तुझसे कहता हूँ, उठ, अपनी चटाई उठा और अपने घर चला जा।" 12 तब वह उठा, अपनी चटाई उठाई और सबके सामने चला गया। यह देखकर सभी चकित हुए और परमेश्वर की स्तुति करने लगे, यह कहते हुए, "हमने कभी ऐसा कुछ नहीं देखा!"

उन्होंने यह सिद्ध किया कि उन्हें दुष्टात्माओं को निकालने का अधिकार है **(**मत्ती **8:16)**।
"संध्या होते ही लोग उसके पास बहुत से दुष्टात्मा ग्रस्त लोगों को लाए, और उसने अपने वचन से आत्माओं को निकाल दिया और सभी रोगियों को चंगा किया।"

उन्होंने यह सिद्ध किया कि उन्हें मरे हुओं को जिलाने का अधिकार है **(**लूका **7:14-16)**।
"तब उसने कहा, 'हे जवान, मैं तुझसे कहता हूँ, उठ!' 15 तब वह मरा हुआ युवक उठ बैठा और बोलने लगा, और यीशु ने उसे उसकी माता को सौंप दिया। 16 यह देखकर सब पर भय छा गया, और वे परमेश्वर की महिमा करने लगे, यह कहते हुए, 'हमारे बीच एक महान भविष्यवक्ता प्रकट हुआ है!' और 'परमेश्वर ने अपने लोगों को दर्शन दिया है!'"

Page no.3

उन्होंने कहा कि उनके पास स्वयं को मृत्यु से जीवित करने की शक्ति है **(**यूहन्ना **2:19)**।
यीशु ने उन्हें उत्तर दिया, "इस मन्दिर को गिरा दो, और मैं इसे तीन दिन में फिर खड़ा कर दूँगा।"

(यूहन्ना **10:17-18)**
"मेरे पिता मुझसे इस कारण प्रेम रखते हैं कि मैं अपना जीवन देता हूँ—ताकि मैं इसे फिर से ले सकूँ। 18 कोई इसे मुझसे नहीं छीनता, बल्कि मैं स्वयं इसे देता हूँ। मुझे इसे देने का भी अधिकार है और इसे फिर से लेने का भी अधिकार है। यह आज्ञा मैंने अपने पिता से पाई है।"

उन्होंने कहा कि वह अपने स्वर्गदूतों को भेजेंगे **(**मत्ती **13:41)**।
"मनुष्य का पुत्र अपने स्वर्गदूतों को भेजेगा, और वे उसके राज्य से उन सभी को निकाल देंगे जो पाप का कारण बनते हैं और जो बुराई करते हैं।"

उन्होंने कहा कि वह उद्धारकर्ता हैं और संसार का न्याय करने के लिए फिर आएंगे **(**मरकुस **14:62)**।
महायाजक ने फिर से यीशु से पूछा, "क्या तू मसीह है, उस धन्य का पुत्र?"
62 यीशु ने कहा, **"**मैं हूँ। और तुम मनुष्य के पुत्र को सर्वशक्तिमान के दाहिने हाथ बैठा और स्वर्ग के बादलों के साथ आते देखोगे।"

उन्होंने कहा कि जो उन्हें स्वीकार करेगा**,** उसे वह भी स्वीकार करेंगे **(**मत्ती **10:32-33)**।
"जो कोई मनुष्यों के सामने मुझे स्वीकार करेगा, उसे मैं भी अपने पिता के सामने स्वीकार करूंगा, जो स्वर्ग में है। 33 परन्तु जो कोई मनुष्यों के सामने मेरा इंकार करेगा, मैं भी अपने पिता के सामने उसका इंकार करूंगा।"

उन्होंने कहा कि वह सब्त के दिन के भी स्वामी हैं **(**मरकुस **2:27-28)**।

"तब उन्होंने उनसे कहा, 'सब्त मनुष्य के लिए बनाया गया था, न कि मनुष्य सब्त के लिए। 28 इस कारण मनुष्य का पुत्र सब्त का भी स्वामी है।'"

उन्होंने व्यवस्था पर अधिकार को प्रदर्शित किया (मत्ती **5:21-22**)।
"तुमने सुना है कि पुरानों से कहा गया था, 'तू हत्या न कर; और जो हत्या करेगा, वह न्याय के योग्य ठहराया जाएगा।' 22 परन्तु मैं तुमसे कहता हूँ कि जो कोई अपने भाई पर क्रोधित होगा, वह न्याय के योग्य ठहराया जाएगा; जो कोई अपने भाई को 'अयोग्य' कहेगा, वह महासभा के योग्य ठहराया जाएगा; और जो कोई कहेगा, 'मूर्ख,' वह नरक की आग के योग्य ठहराया जाएगा।"

उन्होंने कहा कि वह व्यवस्था को पूरा करने के लिए आए हैं (मत्ती **5:17**)।
"यह न सोचो कि मैं व्यवस्था या भविष्यवक्ताओं को मिटाने आया हूँ; मैं उन्हें मिटाने नहीं, बल्कि पूरा करने आया हूँ।"

<u>यीशु ने अपने लिए परमेश्वर का दिव्य नाम **"मैं हूँ" (I AM)** प्रयोग किया</u>

अब्राहम से पहले भी मैं हूँ (यूहन्ना **8:58**)।
"यीशु ने उनसे कहा, 'मैं तुमसे सच-सच कहता हूँ, अब्राहम के होने से पहले से ही मैं हूँ।'"

(निर्गमन 3:13-15)
"तब मूसा ने परमेश्वर से कहा, 'यदि मैं इस्राएलियों के पास जाकर कहूँ कि तुम्हारे पूर्वजों के परमेश्वर ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है, और वे मुझसे पूछें, 'उनका नाम क्या है?' तो मैं उन्हें क्या उत्तर दूँ?'
परमेश्वर ने मूसा से कहा, 'मैं हूँ जो मैं हूँ।' फिर उसने कहा, 'इस्राएलियों से यह कहना, 'मैं हूँ' ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है।'
फिर परमेश्वर ने मूसा से कहा, 'इस्राएलियों से यह कहना, 'तुम्हारे पूर्वजों का परमेश्वर, अब्राहम का परमेश्वर, इसहाक का परमेश्वर और याकूब का परमेश्वर ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है।' यह मेरा नाम सदा के लिए रहेगा और इसी से मैं पीढ़ी दर पीढ़ी जाना जाऊँगा।"

"मैं ही आदि और अंत हूँ**"** (प्रकाशित वाक्य **22:13**)।
"मैं ही अल्फा और ओमेगा, पहला और अंतिम, आदि और अंत हूँ।"

"मैं जीवन की रोटी हूँ**"** (यूहन्ना **6:35**)।
"यीशु ने उनसे कहा, 'मैं जीवन की रोटी हूँ; जो मेरे पास आएगा, वह कभी भूखा न होगा, और जो मुझ पर विश्वास करेगा, वह कभी प्यासा न होगा।'"

(यूहन्ना **6:33)**
"क्योंकि परमेश्वर की रोटी वही है, जो स्वर्ग से उतरकर संसार को जीवन देती है।"

"मैं संसार का प्रकाश हूँ**"** (यूहन्ना **8:12**)।
"फिर यीशु ने उनसे कहा, 'मैं संसार का प्रकाश हूँ; जो कोई मेरा अनुसरण करेगा, वह अंधकार में न चलेगा, बल्कि जीवन का प्रकाश पाएगा।'"

"मैं द्वार हूँ" (यूहन्ना 10:7-9)।
"तब यीशु ने फिर कहा, 'मैं तुमसे सच-सच कहता हूँ, कि मैं भेड़ों का द्वार हूँ। मुझसे पहले जो भी आए, वे चोर और डाकू हैं, परन्तु भेड़ों ने उनकी नहीं सुनी। मैं द्वार हूँ; जो कोई मुझसे होकर प्रवेश करेगा, वह उद्धार पाएगा, और भीतर-बाहर आकर चराई पाएगा।'"

(लूका 13:24)
"संकरी द्वार से प्रवेश करने का प्रयत्न करो, क्योंकि मैं तुमसे कहता हूँ कि बहुत लोग प्रवेश करने का प्रयास करेंगे, परन्तु वे सक्षम नहीं होंगे।"

"मैं अच्छा चरवाहा हूँ" (यूहन्ना 10:11-15)।
"मैं अच्छा चरवाहा हूँ। अच्छा चरवाहा भेड़ों के लिए अपना प्राण देता है। जो कोई मजदूरी पर रखा गया है और जो चरवाहा नहीं है, जिसकी भेड़ें उसकी अपनी नहीं हैं, जब वह भेड़ियों को आते देखता है, तो भेड़ों को छोड़कर भाग जाता है, और भेड़िया उन्हें पकड़ लेता है और तितर-बितर कर देता है। वह इसलिए भाग जाता है क्योंकि वह केवल मजदूरी पर रखा गया है और उसे भेड़ों की कोई परवाह नहीं। मैं अच्छा चरवाहा हूँ। मैं अपनी भेड़ों को जानता हूँ और मेरी भेड़ें मुझे जानती हैं, जैसे कि पिता मुझे जानता है और मैं पिता को जानता हूँ; और मैं भेड़ों के लिए अपना प्राण देता हूँ।"

"मैं पुनरुत्थान और जीवन हूँ" (यूहन्ना 11:25-27)।
"यीशु ने उससे कहा, 'मैं पुनरुत्थान और जीवन हूँ। जो कोई मुझ पर विश्वास करता है, यदि वह मर भी जाए, तो भी जीवित रहेगा, और जो कोई जीवित है और मुझ पर विश्वास करता है, वह कभी न मरेगा। क्या तू इस पर विश्वास करती है?'
उसने उससे कहा, 'हाँ प्रभु, मैं विश्वास करती हूँ कि तू मसीह है, परमेश्वर का पुत्र, जो संसार में आनेवाला था।'"

"मैं मार्ग, सत्य और जीवन हूँ" (यूहन्ना 14:6)।
"यीशु ने उससे कहा, 'मैं मार्ग, सत्य और जीवन हूँ; बिना मेरे कोई भी पिता के पास नहीं आ सकता।'"

"मैं सच्ची दाखलता हूँ" (यूहन्ना 15:1-2)।
"मैं सच्ची दाखलता हूँ, और मेरा पिता माली है। जो कोई डाली मुझ में है और फल नहीं लाती, उसे वह काट डालता है, और जो फल लाती है, उसे वह छाँटता है ताकि वह और अधिक फल लाए।"

जो शाखाएँ फल नहीं लातीं, वे काटकर आग में डाल दी जाती हैं **(यूहन्ना 15:6)।**
"यदि कोई मुझ में बना नहीं रहता, तो वह डाली के समान काट दिया जाता है और सूख जाता है; और लोग उन्हें बटोरकर आग में डाल देते हैं, और वे जल जाती हैं।"

यीशु ने स्वयं को **"मनुष्य का पुत्र" (Son of Man) 80** से अधिक बार कहा**,** जिससे वह मनुष्यों से अपनी पहचान जोड़ते हैं **(मत्ती 12:32)।**
"जो कोई मनुष्य के पुत्र के विरोध में बोलेगा, उसे क्षमा किया जाएगा; परन्तु जो कोई पवित्र आत्मा के विरोध में बोलेगा, उसे न तो इस युग में और न ही आनेवाले युग में क्षमा किया जाएगा।"

10 मिनट का विश्राम लें।

चाय या फल उपलब्ध कराएँ ।

Page no. 6

2.पुराने नियम के नबी यीशु को किस नाम से पुकारते थे?

यशायाह 9:6 – "क्योंकि हमारे लिए एक बालक उत्पन्न हुआ, हमें एक पुत्र दिया गया, और प्रभुत्व उसके कंधे पर होगा; और उसका नाम अद्भुत सलाहकार, शक्तिमान परमेश्वर, अनंत पिता, शांति का राजकुमार कहलाएगा।"

यशायाह **7:14** – "इसलिए स्वयं प्रभु तुम्हें एक चिन्ह देगा: देखो, एक कुंवारी गर्भवती होगी और पुत्र को जन्म देगी, और उसका नाम इम्मानुएल रखा जाएगा।" **(**अर्थ**:** परमेश्वर हमारे साथ**)**

यशायाह **59:20** – **"**एक छुड़ानेवाला सिय्योन में आएगा, अर्थात याकूब में उन लोगों के पास, जो अपने पापों से मन फिराएंगे, यहोवा की यही वाणी है।"

मीका **5:2** – "परन्तु हे बेतलेहेम एफ्राता, तू यद्यपि यहूदा के हजारों में छोटा है, तौभी तुझ में से एक पुरुष निकलेगा, जो मेरे लिये इस्राएल में अधिपति होगा**,** और उसकी उत्पत्ति प्राचीनकाल से**,** अनादि काल से हुई है।**"**

यिर्मयाह **23:5** – "देखो, वे दिन आते हैं, यहोवा की यह वाणी है, जब मैं दाऊद के लिये एक धर्मी शाखा उगाऊंगा, और वह राजा बनकर बुद्धिमानी से राज्य करेगा**,** और देश में न्याय और धर्म को स्थापित करेगा।**"**

जकर्याह **9:9** – "हे सिय्योन की बेटी, बहुत आनंद कर! हे यरूशलेम की बेटी, जयजयकार कर! देख, तेरा राजा तेरे पास आता है**,** वह धर्मी और विजयशाली है**,** वह दीन है और गदहे पर, हाँ, गदही के बच्चे पर सवार है।"

---

3. जिन्होंने यीशु से मुलाकात की, उन्होंने उनके बारे में क्या कहा?

पतरस एक मछुआरा था, जिसने एक रात बहुत प्रयास किया, फिर भी उसे कुछ भी नहीं मिला। लेकिन जब उसने यीशु के कहे अनुसार अपने जाल डाले, तो बहुत सारी मछलियाँ पकड़ीं। तब उसे एहसास हुआ कि यीशु कोई साधारण मनुष्य नहीं हैं।

मत्ती **16:13-20**:

13 जब यीशु कैसरिया फिलिप्पी के इलाके में आए, तो उन्होंने अपने शिष्यों से पूछा, "लोग मनुष्य के पुत्र को कौन कहते हैं?"

14 उन्होंने कहा, "कुछ लोग यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला कहते हैं, कुछ एलिय्याह, और कुछ यिर्मयाह या भविष्यद्वक्ताओं में से कोई एक।"

15 तब यीशु ने उनसे पूछा, "परन्तु तुम मुझे कौन कहते हो?"

16 तब शमौन पतरस ने उत्तर दिया, **"**तू मसीह है**,** जीवित परमेश्वर का पुत्र।**"**

Page no. 7

मार्था के भाई लाजर की मृत्यु और यीशु द्वारा उसे जीवित करना

मार्था के भाई लाजर की मृत्यु हो गई थी। यीशु उसे जीवित करने से पहले मार्था से बातचीत करते हैं।

यूहन्ना **11:25** – यीशु ने मार्था से कहा, "मैं पुनरुत्थान और जीवन हूँ। जो मुझ पर विश्वास करता है, यदि वह मर भी जाए, तो भी वह जीवित रहेगा। और जो कोई जीवित है और मुझ पर विश्वास करता है, वह कभी नहीं मरेगा। क्या तू इस पर विश्वास करती है?"

यूहन्ना 11:27 – मार्था ने उत्तर दिया, **"**हाँ प्रभु**,** मैं विश्वास करती हूँ कि तू ही मसीह है**,** परमेश्वर का पुत्र**,** जो संसार में आनेवाला था।**"**

यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले का गवाही देना

यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला एक महान नबी था**,** जिसने यीशु के लिए मार्ग तैयार किया। उसने लोगों से पश्चाताप करने को कहा। जब उसने यीशु को देखा**,** तो उसने कहा**:**

यूहन्ना **1:34** – "मैंने देखा और गवाही दी कि यह परमेश्वर का पुत्र है।"

यूहन्ना **1:29** – अगले दिन, जब यूहन्ना ने यीशु को अपनी ओर आते देखा, तो कहा, "देखो, यह परमेश्वर का मेम्ना है, जो संसार का पाप उठा ले जाता है!"

नाथानिएल की प्रतिक्रिया

जब यीशु ने नाथानिएल से मुलाकात की**,** तो उन्होंने कहा कि वह एक सच्चा इस्राएली है**,** जिसमें कोई छल**-**कपट नहीं है। यीशु ने बताया कि उन्होंने नाथानिएल को अंजीर के पेड़ के नीचे देखा था**,** इससे पहले कि फिलिप्पुस ने उसे बुलाया।

यूहन्ना **1:49** – नाथानिएल ने उत्तर दिया, "रबी, तू परमेश्वर का पुत्र है; तू इस्राएल का राजा है।"

शाऊल (पौलुस) का परिवर्तन

शाऊल एक फरीसी था, जो मसीही विश्वासियों को सताता था। लेकिन यीशु के साथ एक मुलाकात के बाद उसका जीवन पूरी तरह बदल गया। यीशु ने उसे बताया कि वह गैर-यहूदियों (जेंटाइल्स) को सुसमाचार सुनाने के लिए चुना गया है।

प्रेरितों के काम **9:20** – "और तुरन्त उसने आराधनालयों में प्रचार करना शुरू किया कि यीशु परमेश्वर का पुत्र है।"

रोमियों **1:4** – "और उसे, जो आत्मिक पवित्रता के अनुसार मरे हुओं में से जी उठने के द्वारा सामर्थ्य सहित परमेश्वर का पुत्र ठहराया गया, वह यीशु मसीह हमारा प्रभु है।"

प्रेरित यूहन्ना का संदेश

प्रेरित यूहन्ना ने प्रचार किया कि हम केवल यीशु में विश्वास करके संसार पर जय पा सकते हैं।

1 यूहन्ना **5:5** – "कौन है जो संसार पर जय पाता है? केवल वही जो यह विश्वास करता है कि यीशु परमेश्वर का पुत्र है।"

प्रेरित यूहन्ना, जो यीशु से बहुत प्रेम करता था, उसने यह भी लिखा:

यूहन्ना **20:31** – "परन्तु ये बातें इसलिये लिखी गई हैं कि तुम विश्वास करो कि यीशु ही मसीह है, परमेश्वर का पुत्र; और विश्वास करके उसके नाम से जीवन पाओ।"

Page no. 8

शिष्यों ने यीशु की उपासना की और उन्हें परमेश्वर का पुत्र घोषित किया

मत्ती **14:32-33** –
32 जब वे नाव में चढ़े, तो हवा थम गई।
33 तब जो लोग नाव में थे, उन्होंने यीशु की उपासना की और कहा, **"**निश्चय ही तू परमेश्वर का पुत्र है।**"**

नए नियम के विश्वासियों (पौलुस, सिलास और तीमुथियुस) ने यीशु को परमेश्वर का पुत्र और प्रतिज्ञा पूरी करने वाला माना

2 कुरिन्थियों **1:19** –
"क्योंकि परमेश्वर का पुत्र, यीशु मसीह, जो तुम्हारे बीच में हमारे द्वारा—अर्थात् मेरे, सिलास और तीमुथियुस के द्वारा प्रचार किया गया, वह 'हाँ' और 'ना' नहीं था, बल्कि उसमें हमेशा 'हाँ' ही रहा है।"

विदेशियों ने भी यीशु को परमेश्वर का पुत्र या दाऊद का पुत्र कहा

इथियोपियाई अधिकारी की गवाही

एक इथियोपियाई अधिकारी, जो उच्च पद पर था, यात्रा कर रहा था और यशायाह की भविष्यवाणी को पढ़ रहा था। जब उसने फिलिप्पुस से मुलाकात की, तो फिलिप्पुस ने उसे शास्त्रों की व्याख्या की, और उस व्यक्ति ने बपतिस्मा लेने की इच्छा व्यक्त की।

प्रेरितों के काम **8:37** –
"फिलिप्पुस ने कहा, यदि तू सम्पूर्ण मन से विश्वास करता है, तो हो सकता है।" और उस (इथियोपियाई) ने उत्तर दिया, "मैं विश्वास करता हूँ कि यीशु मसीह परमेश्वर का पुत्र है।"

एक सेनापति (रोमी अधिकारी) की गवाही

एक रोमी सेनापति, जिसने यीशु को सूली पर चढ़ते और उसके बाद की घटनाओं को देखा, उसने यह निष्कर्ष निकाला कि यीशु परमेश्वर का पुत्र है।

मत्ती **27:54** –
"अब जब सेनापति और उसके साथ के लोग, जो यीशु की पहरेदारी कर रहे थे, भूकंप और जो कुछ हुआ था, उसे देखकर बहुत डर गए और कहने लगे, 'सचमुच यह परमेश्वर का पुत्र था।'"

एक कनानी स्त्री की गवाही

एक कनानी स्त्री, जो यीशु के पास सहायता के लिए आई, उसे "दाऊद का पुत्र" कहकर पुकारती है, जिससे वह यह स्वीकार करती है कि यीशु राजा हैं।

मत्ती **15:22** –
"तभी, उस प्रदेश की एक कनानी स्त्री उसके पास आकर चिल्लाने लगी, 'हे प्रभु, दाऊद के पुत्र, मुझ पर दया कर! मेरी बेटी बुरी तरह से दुष्टात्मा से पीड़ित है।'"

एक अंधे व्यक्ति की गवाही

लूका 18:38 में एक अंधा व्यक्ति, जो विदेशी नहीं था, लेकिन उसने भी यीशु को "दाऊद का पुत्र" कहकर पुकारा।

पिलातुस, जो यहूदिया का रोमी राज्यपाल था, उसने यीशु को "यहूदियों का राजा" कहा

मत्ती **27:37** –
"और उन्होंने उसके सिर के ऊपर यह आरोप लिखकर टांग दिया: 'यह यीशु, यहूदियों का राजा है।'"

भीड़ यीशु के पीछे चलती थी

यूहन्ना **6:2** –
"और एक बड़ी भीड़ उसके पीछे हो ली, क्योंकि उन्होंने वे चिन्ह देखे थे, जो वह रोगियों पर करता था।"

Page no. 9

4. दुष्टात्माओं और स्वर्गदूतों ने यीशु को क्या कहा?

दुष्टात्माओं ने उन्हें परमेश्वर का पुत्र कहा

मरकुस **3:11** –
"और जब अशुद्ध आत्माएँ उसे देखती थीं, तो गिरकर चिल्लाने लगती थीं, 'तू परमेश्वर का पुत्र है!'"

मरकुस **5:7** –
"(अशुद्ध आत्मा) ने कहा, 'यीशु, परमप्रधान परमेश्वर के पुत्र, मुझसे तेरा क्या काम? मैं तुझसे विनती करता हूँ, मुझे यातना न दे!'"

स्वर्गदूतों ने उन्हें परमेश्वर का पुत्र कहा

लूका **1:35** –
"स्वर्गदूत ने मरियम से कहा, 'पवित्र आत्मा तुझ पर आएगा, और परमप्रधान की शक्ति तुझ पर छाया करेगी; इसलिए जो पवित्र वस्तु तुझ में जन्मेगी, वह परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा।'"

---

5. नए नियम के लेखकों ने यीशु के बारे में क्या कहा?

वे परमेश्वर की महिमा की ज्योति और उसकी सच्ची प्रतिमा हैं

इब्रानियों **1:3** –
"वह परमेश्वर की महिमा की चमक और उसकी प्रकृति की सच्ची छवि हैं, और वह अपनी सामर्थ्य के वचन द्वारा संपूर्ण ब्रह्मांड को संभाले हुए हैं।"

वह वचन हैं, जो देहधारी होकर आए

यूहन्ना **1:14** –
"और वचन देहधारी हुआ और हमारे बीच में रहा, और हमने उसकी महिमा देखी, जैसे पिता के एकलौते की महिमा, जो अनुग्रह और सत्य से परिपूर्ण थी।"

यीशु को "उसकी महिमा" और परमेश्वर का पुत्र कहा गया

2 पतरस **1:16-17** –
"क्योंकि जब हमने तुम्हें हमारे प्रभु यीशु मसीह की शक्ति और आगमन के विषय में बताया, तो हम किसी चतुराई से गढ़ी गई कहानियों के पीछे नहीं चले, परन्तु हम उसकी महिमा के प्रत्यक्षदर्शी थे।
उसे परमेश्वर पिता की ओर से आदर और महिमा प्राप्त हुई, जब यह महिमामय गौरवमयी वाणी आई: 'यह मेरा प्रिय पुत्र है, जिससे मैं अत्यंत प्रसन्न हूँ।'"

यीशु को "जीवन का वचन" कहा गया

1 यूहन्ना **1:1-2** –
"जो आदि से था, जिसे हमने सुना, जिसे अपनी आँखों से देखा, जिसे ध्यान से देखा, और जिसे अपने हाथों से छुआ—हम उसी के विषय में, अर्थात् जीवन के वचन के विषय में प्रचार करते हैं।
यह जीवन प्रकट हुआ, और हमने उसे देखा और उसकी गवाही देते हैं, और तुम्हें उस अनंत जीवन के विषय में प्रचार करते हैं, जो पिता के साथ था और हम पर प्रकट हुआ।"

यूहन्ना **6:68** –
"शमौन पतरस ने उत्तर दिया, 'हे प्रभु, हम किसके पास जाएँ? अनंत जीवन के वचन तो तेरे ही पास हैं।'"

पौलुस ने यीशु को "प्रभु" कहा

फिलिप्पियों **2:10-11** –
"ताकि यीशु के नाम पर हर एक घुटना टेकें—स्वर्ग में, पृथ्वी पर और पृथ्वी के नीचे,
और हर एक जीभ यह स्वीकार करे कि यीशु मसीह प्रभु है, परमेश्वर पिता की महिमा के लिए।"

पौलुस ने यीशु को कलीसिया का प्रधान कहा

इफिसियों **1:20-22** –
"जिस सामर्थ्य को परमेश्वर ने मसीह में कार्यान्वित किया, जब उसने उसे मरे हुओं में से जिलाया और स्वर्गीय स्थानों में अपने दाहिने हाथ बैठाया,
हर एक शासन, अधिकार, सामर्थ्य और प्रभुता के ऊपर, और हर एक नाम से ऊपर, जो केवल इस युग में ही नहीं, परन्तु आनेवाले युग में भी लिया जाएगा।
और उसने सब कुछ उसके चरणों के नीचे कर दिया और उसे कलीसिया के लिए सब वस्तुओं का प्रधान ठहराया।"

इब्रानियों के लेखक ने यीशु को "विश्वास का कर्ता और सिद्ध करने वाला" कहा

इब्रानियों **12:2** –
"अपनी दृष्टि यीशु पर लगाए रखो, जो विश्वास का कर्ता और सिद्ध करने वाला है। जिसने उस आनंद के लिए, जो उसके सामने था, क्रूस को सह लिया और उसकी लज्जा की कुछ चिन्ता न की, और अब वह परमेश्वर के सिंहासन के दाहिने जा बैठा है।"

यीशु को "कोने का सिरा" और "एकमात्र उद्धार का नाम" कहा गया

प्रेरितों के काम **4:11-12** –
"यीशु वही पत्थर है जिसे तुम राजमिस्त्रियों ने तुच्छ जाना, और वही कोने का मुख्य पत्थर बन गया।
क्योंकि और किसी में उद्धार नहीं है, क्योंकि स्वर्ग के नीचे मनुष्यों को कोई दूसरा नाम नहीं दिया गया है, जिसके द्वारा हम उद्धार पा सकें।"

यीशु को "जीवित पत्थर" कहा गया

1 पतरस **2:4-6** –
"जब तुम उसके पास आते हो, जो जीवित पत्थर है—जो मनुष्यों द्वारा तो ठुकराया गया, परन्तु परमेश्वर के द्वारा चुना हुआ और बहुमूल्य है—
तो तुम भी जीवित पत्थरों की तरह एक आत्मिक घर के रूप में बनाए जा रहे हो, ताकि तुम एक पवित्र याजकीय वर्ग बनो और यीशु मसीह के द्वारा परमेश्वर को आत्मिक बलिदान चढ़ाओ, जो उसे ग्रहणयोग्य हों।
क्योंकि पवित्रशास्त्र में लिखा है:
'देखो, मैं सिय्योन में एक पत्थर रख रहा हूँ, एक चुना हुआ और बहुमूल्य कोने का पत्थर, और जो कोई उस पर विश्वास करेगा, वह कभी लज्जित नहीं होगा।'"

6. शैतान और धार्मिक नेताओं ने यीशु की पहचान पर कैसे प्रश्न उठाए**?**

मत्ती **4:3** –
"और परीक्षा देनेवाला उसके पास आकर कहने लगा, 'यदि तू परमेश्वर का पुत्र है**,** तो कह कि ये पत्थर रोटियाँ बन जाएँ।'"

लूका **22:70** –
"तब उन्होंने (यहूदी महासभा के सदस्यों ने) सब कहने लगे, 'तो क्या तू परमेश्वर का पुत्र है**?**' और उसने उनसे कहा, 'तुम ही कहते हो कि मैं हूँ।'"

मत्ती **27:40** –
"और कहते थे, 'हे मन्दिर को गिरानेवाले और तीन दिन में बनानेवाले, अपने आप को बचा! यदि तू परमेश्वर का पुत्र है, तो क्रूस से नीचे उतर आ!'"

---

7. परमेश्वर के पुत्र यीशु क्यों आए**?**

गलातियों **2:20** (पौलुस ने कहा) –
"मैं अब शरीर में जीवित तो हूँ, परन्तु विश्वास के द्वारा जीवित हूँ, जो परमेश्वर के पुत्र पर है, जिसने मुझसे प्रेम किया और अपने आप को मेरे लिए दे दिया।"

यूहन्ना **3:17** –
"क्योंकि परमेश्वर ने अपने पुत्र को संसार में इसलिए नहीं भेजा कि वह संसार पर दण्ड की आज्ञा दे, परन्तु इसलिए कि संसार उसके द्वारा उद्धार पाए।"

1 यूहन्ना **3:8** –
"जो कोई पाप करता है, वह शैतान से है, क्योंकि शैतान आदि से पाप करता आया है। परमेश्वर का पुत्र इसी कारण प्रकट हुआ कि वह शैतान के कामों को नष्ट करे।"

8. क्या यीशु परमेश्वर हैं?

हाँ, हमने पहले ही सुना कि यीशु ने स्पष्ट रूप से कहा कि वह और पिता एक हैं, और हमने भविष्यवक्ताओं की भी गवाही सुनी।

यशायाह **9:6** –
"क्योंकि हमारे लिए एक बालक उत्पन्न हुआ, हमें एक पुत्र दिया गया; और प्रभुता उसके कंधे पर होगी, और उसका नाम अद्भुत युक्ति करने वाला, पराक्रमी परमेश्वर, अनन्तकाल का पिता, और शान्ति का राजकुमार रखा जाएगा।"

यशायाह **7:14** –
"इसलिए स्वयं प्रभु तुम्हें एक चिन्ह देगा: देखो, एक कुंवारी गर्भवती होगी और पुत्र उत्पन्न करेगी, और उसका नाम इम्मानुएल रखा जाएगा।" (अर्थात "परमेश्वर हमारे साथ")

यूहन्ना **1** में भी पुष्टि होती है कि यीशु परमेश्वर हैं

यूहन्ना **1:1-5** –
1 "आदि में वचन था, और वचन परमेश्वर के साथ था, और वचन ही परमेश्वर था।
2 वही आदि में परमेश्वर के साथ था।
3 उसी के द्वारा सब कुछ उत्पन्न हुआ, और जो कुछ उत्पन्न हुआ है, उसमें से कोई भी वस्तु उसके बिना उत्पन्न नहीं हुई।
4 उसमें जीवन था, और वह जीवन मनुष्यों की ज्योति थी।
5 वह ज्योति अंधकार में चमकती है, और अंधकार ने उसे ग्रहण नहीं किया।"

यूहन्ना 1:14 –
"और वचन देहधारी हुआ और हमारे बीच में रहा, और हमने उसकी महिमा देखी, जो पिता के इकलौते पुत्र की महिमा थी, जो अनुग्रह और सत्य से परिपूर्ण था।"

यूहन्ना **17:11** में यीशु ने प्रार्थना में कहा कि उनका और पिता का नाम एक ही है

यूहन्ना **17:11** –
"(यीशु प्रार्थना करते हुए) मैं अब संसार में और नहीं हूँ, परन्तु ये संसार में हैं, और मैं तेरे पास आता हूँ। हे पवित्र पिता, तू उन्हें अपने उस नाम की सामर्थ्य से रख, जो तूने मुझे दिया है, ताकि वे भी एक हों, जैसे हम एक हैं।"

मत्ती **28:19-20** में पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम की चर्चा है

मत्ती **28:19-20** –
"19 इसलिए तुम जाकर सब जातियों के लोगों को शिष्य बनाओ, और उन्हें पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो,
20 और उन्हें यह सिखाओ कि वे सब बातें मानें, जिनकी आज्ञा मैंने तुम्हें दी है। और देखो, मैं जगत के अंत तक सदा तुम्हारे संग हूँ।"

वह नाम क्या है**?** शिष्यों ने समझा कि वह नाम यीशु था।

पतरस और अन्य चेलों ने समझा कि वह नाम यीशु है

प्रेरितों के काम 2:38 –
"तब पतरस ने उनसे कहा, 'मन फिराओ, और तुम में से हर एक अपने पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा लो, तो तुम पवित्र आत्मा का वरदान पाओगे।'"

यीशु ही पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा का नाम है। यीशु परमेश्वर हैं।

व्यवस्थाविवरण **6:4 –**
"हे इस्राएल**,** सुन**!** हमारा परमेश्वर यहोवा एक ही यहोवा है।**"**

पाठ समाप्त हुआ